राज्यपाल सचिवालय, बिहार
(जन–सम्पर्क शाखा)
राजभवन, पटना–800022

प्रेस–विज्ञप्ति

संख्या–129/2023

राज्यपाल ने बिहार के कुलपतियों के साथ बैठक की

महत्वपूर्ण निदेश –

- परीक्षाओं का आयोजन एवं परीक्षाफल का प्रकाशन तय समय–सीमा के भीतर सुनिश्चित करें
- विश्वविद्यालय में शोध कार्य का बढ़ावा दें
- सेवान्त लाभ का भुगतान ससमय सुनिश्चित करायें
- अन्तर्विश्वविद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन करायें
- विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालयों के शिक्षकों के लिए उन्मुखीकरण शिविर (Orientation Camp) का आयोजन कराएँ

पटना, 03 अप्रैल, 2023 :– महामहिम राज्यपाल सह कुलाधिपति श्री राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर ने बिहार के विश्वविद्यालयों की कुलपतियों की बैठक में परीक्षाओं का आयोजन एवं परीक्षाफल का प्रकाशन एक निर्धारित समय–सीमा के भीतर सुनिश्चित कराने का निदेश दिया। उन्होंने कहा कि बिहार के सभी विश्वविद्यालयों में एक ही समय सारणी के अनुरूप एक साथ परीक्षाओं के आयोजन एवं परीक्षाफल के प्रकाशन हेतु प्रयास करें। उन्होंने विश्वविद्यालयों में शोध को बढ़ावा देने पर जोर देते हुए कहा कि शिक्षकों को शोध के प्रति अभिरूचि विकसित करनी चाहिए।

राज्यपाल ने कहा कि सेवान्त लाभ के लिए गठित कोषांग को कार्यशील करें तथा सेवानिवृत्त कर्मियों को इसका भुगतान तय समय–सीमा के भीतर करें। इसके लिए सभी आवश्यक तैयारी सेवानिवृत्ति से पूर्व ही कर ली जाए।

राज्यपाल ने कुलपतियों को अन्तर्विश्वविद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन प्रत्येक वर्ष बारी–बारी से प्रत्येक विश्वविद्यालय में आयोजित कराने का निदेश दिया। उन्होंने कहा कि बिहार के सभी विश्वविद्यालय मिलकर देशभर के विश्वविद्यालयों की खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन भी कराएँ।

उन्होंने विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों के शिक्षकों को शिक्षण की नई तकनीकों एवं विधियों से अवगत कराने तथा आपसी ज्ञान, समझ एवं अनुभवों को एक–दूसरे के साथ साझा करने के उद्देश्य से उनका उन्मुखीकरण शिविर (Orientation Camp) आयोजित कराने का निदेश दिया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक विश्वविद्यालय का एक अच्छा वेबसाईट होना चाहिए। शिक्षकों को टेक्नोसेवी होने पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि उन्हें शिक्षण संबंधी विभिन्न जानकारियों तथा नियमों/परिनियमों से अवगत होना चाहिए।

आगे पृष्ठ...2 पर

राज्यपाल ने कहा कि शिक्षकों का कार्य अन्य पेशा से भिन्न है तथा उन्हें एक निश्चित समय–सीमा से बाहर आकर भी बच्चों को पढ़ाना चाहिए। पढ़ाई में कमजोर बच्चों पर विशेष ध्यान देने पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि उनके लिए सुधारात्मक शिक्षण (Remedial Teaching) की व्यवस्था होनी चाहिए। उन्होंने बच्चों की व्यक्तिगत परेशानियों के कारण उनकी पढ़ाई में आ रही समस्याओं को जानकर उनके समाधान हेतु उनके काउंसलिंग की व्यवस्था होनी चाहिए।

राज्यपाल ने कहा कि बेहतर शैक्षणिक वातावरण का निर्माण करते हुए बिहार की शैक्षणिक व्यवस्था को और भी सुदृढ़ करने की आवश्यकता है।

राज्यपाल की अध्यक्षता में आहूत इस बैठक में राज्यपाल के प्रधान सचिव श्री रॉबर्ट एल० चोंग्थू, बिहार के विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपतिगण, राज्यपाल सचिवालय के पदाधिकारीगण एवं अन्य लोग उपस्थित थे।

.....